

भारत अपने देश के साथ ही किसी भी देश में हो आतंकवाद के खिलाफ है वह चाहता है कि आतंकवाद का समूल नाश होना चाहिए। वह मानता है कि आतंकवाद अच्छा और बुरा नहीं होता है, आतंकवाद सिर्फ आतंकवाद ही होता है। उससे मानव समाज के नुकसान होता है। इसलिए दुनिया के तमाम देशों को आतंकवाद का कड़ा विरोध करना चाहिए तथा आतंकवादी किसी भी वजह से हुई हो उसकी समवेत स्वर में कड़ी निंदा करनी चाहिए। यही उसने किया जब फिल्स्टीन की निंदा ही की गई थी इसलिए भारत ने इसमें हमास की सप्ताही भेंटी है तथा यह भी कहा है कि फिल्स्टीन लोगों की समाधान दोनों देशों को बातचीत से निकालना चाहिए। यूएन में हुई 179 देशों को बैठक में दो प्रस्ताव पास किए गए कि फिल्स्टीन में चल रहा युद्ध तत्काल रोका जाना चाहिए। इस एक तरफ प्रस्ताव था तथा फिल्स्टीन की ही चिंता की गई थी, इसमें हमास की निंदा नहीं की गई थी इसलिए भारत ने इस प्रस्ताव में जो तरह नहीं देखता है। उसका नजरिया है कि फिल्स्टीन समस्या का समाधान फिल्स्टीन व इजराइल को बातचीत के जरिए हल करना चाहिए। इस समस्या का समाधान युद्ध या

संपादकीय

केरल में बम विस्फोट का अर्थ

हमास व इजराइल को लेकर लोग व देश वे भागों में बढ़े हुए हैं। एक पक्ष फिल्स्टीन के नाम पर हमास जैसे संगठनों के साथ खड़ा है तथा दूसरा पक्ष आतंकवाद के लिए है। भारत उन देशों के साथ खड़ा जो आतंकवाद के खिलाफ है। भारत आतंकवाद के खिलाफ है। उसने एक दिन पश्चात केरल के मुसलमानों से ऐसा कहा है कि एकल वाले जो आतंकवाद को पालने पोसने वाले हैं तथा उसका उपयोग हथियार के रूप में करते हैं। भारत को परसं नहीं करते हैं। तथा उसका उपयोग हथियार के रूप में होता है कि आतंकवादी घटनाएं की जाएं। केरल में फिल्स्टीन के समर्थन में हुए एक कार्यक्रम में हमास नेता खलिल मशेल ने वीरी के जरिए संचेतित करते हुए कहा कि फिल्स्टीन पर हमास के विरोध मस्तिष्मानों को करना चाहिए तथा यह विरोध दिखाना चाहिए। उसने एक दिन पश्चात केरल के मुसलमानों से ऐसा कहा है कि एकल वाले जो आतंकवादी घटना के खिलाफ हैं तथा उसका उपयोग हथियार के रूप में होता है कि फिल्स्टीन हमास के हमले की निंदा की गई थी। यूएन से लेकर विश्व तक

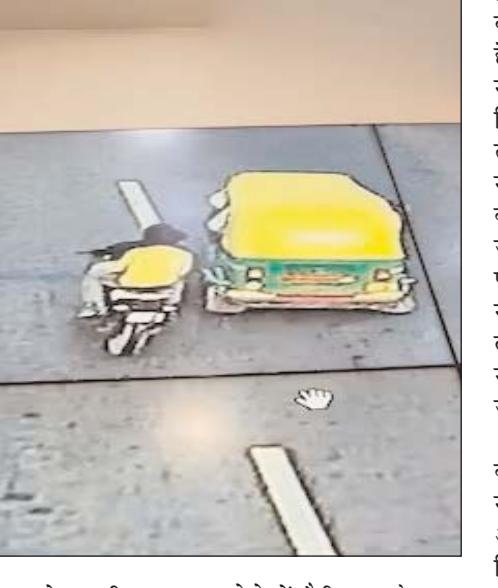
आतंकवादी संगठन भी इसी वजह से भारत को परसं नहीं करते हैं। पाक समर्थित आतंकवादी संगठनों का भारत ने कश्मीर में सफाया कर दिया है इसलिए ऐसे संगठन तो भारत में आतंकवादी घटना करना ही चाहते हैं। अब भारत विरोध के कारण हमास भी चाहता है। लेकिन वह घटना को अंजमा देने के पहले की पकड़े गए। नौ साल में देश में शांति रही। अब केरल में पहली घटना हुई है। वह घटना भी इसलिए हुई कि राज्य सरकार सरकार नहीं थी, वह सोच नहीं पाए जब एक हमास का आतंकवादी राज्य के लोगों को उकसा रहा है तो राज्य में कुछ बुरा हो सकता है। केरल की घटना के पीछे वे लोग हैं जो भारत आतंकवादी घटना के खिलाफ हैं। भारत आतंकवाद को पालने प्रथमना सभा में यह विरोध दिख गया। इंसाइडरों की प्रथमना सभा में एक के बाद एक तीन बम विस्फोट हुए तथा इसमें दो लोगों की मौत हुई है तथा पचास से

कैसे बचेगी बेटी, कैसे पढ़ेगी बेटी?

चिंतन
ललित गर्ग



सवालिया
निशान यह है
कि इस तरह
की घटनाओं से
आखिर निजात
कब मिलेगी?
कानून अपना
कान वयों नहीं
कर पा दहा है?
गंभीर मामलों
में गिरफ्तार
अभियुक्त किस
तरह खुले धूम
रहे हैं और
दोबाटा अपराध
करने की
हिम्मत जुटा
दहा है?



हो गई थी। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री आदिवासी योगी की प्रदेश में विद्युत लड़कियों की सुरक्षा के साथ कोई भी खिलवाड़ होती है तो अगले चौराहे पर ऐसे लुटेरे और मनचलों को इतनाज यमराज कर रहे होंगे। दो महोने के अंतराल के बाद एक बार फिर गाजियाबाद में घटी थी इस घटना ने मुख्यमंत्री के ऊंच तमाम दावों पर पानी फेर दिया है जिनको लेकर उत्तर प्रदेश का हर अधिकारक विश्वास और भरोसा करता है और अपनी लड़कियों की जीवन सम्पादन की सुरक्षा समझते हुए योगी बाबा के भोजे पर पढ़ी और दूसरे कों के लिए घर से बाहर भेजने की हिम्मत जुटा पाता है।

आपको बता दें बदलाव का शिकार बनी होनहार छात्रा की अंतिम अंटों पर किनारों की तरफ बैठी हुई थी। लुटेरों की नजर उसके मोबाइल पर थी। वो झपट्टा मारकर मोबाइल छीनने की फिराक में थे इसी बीच मसूरी थाना क्षेत्र के डासना फ्लाइओवर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 9 पर बाइक सवार बदमाशों ने उसका मोबाइल छीनने की ओशिश कीलेकिन कीर्ति ने पूरी ताकत से विरोध

दिनदहाड़े चलती सड़क पर आयों में बैठी छात्रा के साथ इस तरह की बारदात पिंशित रूप से बदमाशों के बुलदॉहसलों को बताती है यह घटना बताती है कि मुख्यमंत्री कितने भी बच्चों दें लेकिन उनकी युवालिस सुधारने के लिए तैयार नहीं है। यदि युवालिस थोड़ा भी सचेत होती तो इस तरह के मवाली मुड़े रह चलती छात्रा के हाथ से मोबाइल छीनकर उसे मौत के मुंह में धक्केलने की हिम्मत नहीं कर पाते।

जैसा कि हर मामले में होता है घटना के बाद जारी पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी बॉर्डिंग उर्फ बलवीर को पुलिस से मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में दो बाइबल के पैर में गोली लगी, इसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया, वही दूसरा आरोपी जिन्हें उर्फ जीतू जीतू के साथ राजनीति के अनुसार उसे आज सोमवार नाकाम रही। लड़कियों महिलाओं के साथ ध्वेष भारी चैन स्नैचिंग छात्राओं के साथ राजनीति के अंदर भेजे जाते हैं।

जात हो कि घटना के बाद मसूरी थाना रविंद्र चंद्र पंत को संसेक्ट करने के साथ ही अब तक थाने से तेवान तीन सब इंस्पेक्टर हटाए जा चुके हैं। मात्र 18 साल की कीर्ति

तांग

नागनाथ या साँपनाथ

डॉ. सुरेश कुमार गिरिश 'उत्तरात'

चुनावी दिनों में पत्रकार माइक लिए लोगों के मूँह में धूसे रहते हैं। लोग हैं कि सकार से उठे रहते हैं। पाँचवां सवाल आया कि नहीं

जाना बहु और सरकार जानता सरकार जानता जब आतंकवादी लोगों के लिए एक दूसरे से मुंह फुलाए रहते हैं। जानता सरकार जानवार की तलाश में अपनी जरूरतों को सवालों के रूप में लिए आयें बिछाए रहती है।

चुनावी दिनों में कई पत्रकार सवाल पूछते हैं कि आपको जाना है और ठाकर जाता है। अजनक टी.वी. स्टूडिओ में भौंके रहे से तीव्रारपी बढ़ाने वाले लोगों के बीच आ जाएं तो इससे बढ़ाया बात और क्या हो सकती है। ऐसे ही दिनों में एक बार एक पत्रकार ने चुनावी नब्ज और रुझान टटोलने के लिए एक बदे से

सवाल करते हैं। यह भी कई पूछने वाली बात है। जो सबसे जाना देता है। ऐसे ही दिनों में एक बार एक पत्रकार करते हैं।

इस पर बदे ने मुस्कुराकर कहा - कपाल

करते हैं। यह भी कई पूछने वाली बात है। जो सबसे जाना देता है।

पत्रकार ने एक और सवाल किया -

लीजिए दो के बदले तीन कैर्डेट खड़े हों तब किसे बोट दोगे?

इस पर बदे ने मुस्कुराकर कहा - बहु जो ज्यादा देगा मैं उसी को बोट दूँगा।

पत्रकार ने इस बार चलाकी भरा सवाल किया - मान लीजिए दस कैर्डेट खड़े हैं। सभी एक समान राशि देता है, तब अप क्या करेगे?

बदे ने हल्के से पत्रकार के कान में कहा - कौई बैकेटूफ ही होगा जो बोट देने के बारे में सोचेगा। इतना देखने पर मैं दो तो से तीन कैर्डेट खड़ा जाऊँगा।

पत्रकार की खुद को मैं देखता हूँ यह बोट देने के बारे में थोड़ा रुकाव है।

बदे ने कहा - पिछले कई चुनावों से मैंने बोट नहीं दिया है। फिर भी मेरा बोट कोई न करेंगे।

पत्रकार ने अंतिम सवाल पूछा - बदे ने यह क्या करता है?

बदे ने कहा - बोट इसे मिले यह उसे क्या करता है?

पत्रकार ने कहा - बोट इसे लेने के बाद क्या करता है?

बदे ने कहा - हाँ।

पत्रकार ने एक और सवाल किया -

बदे ने कहा - हाँ।

पत्रकार ने एक और सवाल किया -

बदे ने कहा - हाँ।

पत्रकार ने एक और सवाल किया -

बदे ने कहा - हाँ।

पत्रकार ने एक और सवाल किया -

बदे ने कहा - हाँ।

पत्रकार ने एक और सवाल किया -

बदे ने कहा - हाँ।

पत्रकार ने एक और सवाल किया -

बदे ने कहा - हाँ।

पत्रकार ने एक और सवाल किया -

